डाइनोसॉर की खोज

डाइनोसॉर की खोज

डैन अपनी मन-पसंद पुस्तक पढ़ रहा था. “मैं ज़मीन खोद कर डाइनोसॉर की खोज करना चाहता हूँ,” उसने अचानक कहा.

डैन का कुत्ता, बाउंसर, उस पर कूदा. डैन ने उसके कान रगड़े.

“सबसे पहले बगीचे में खुदाई करते हैं,” उसने कहा.

“अपने कपड़े गंदे मत करना,” माँ ने सचेत किया.

“हम म्यूज़ियम देखने जायेंगे.”
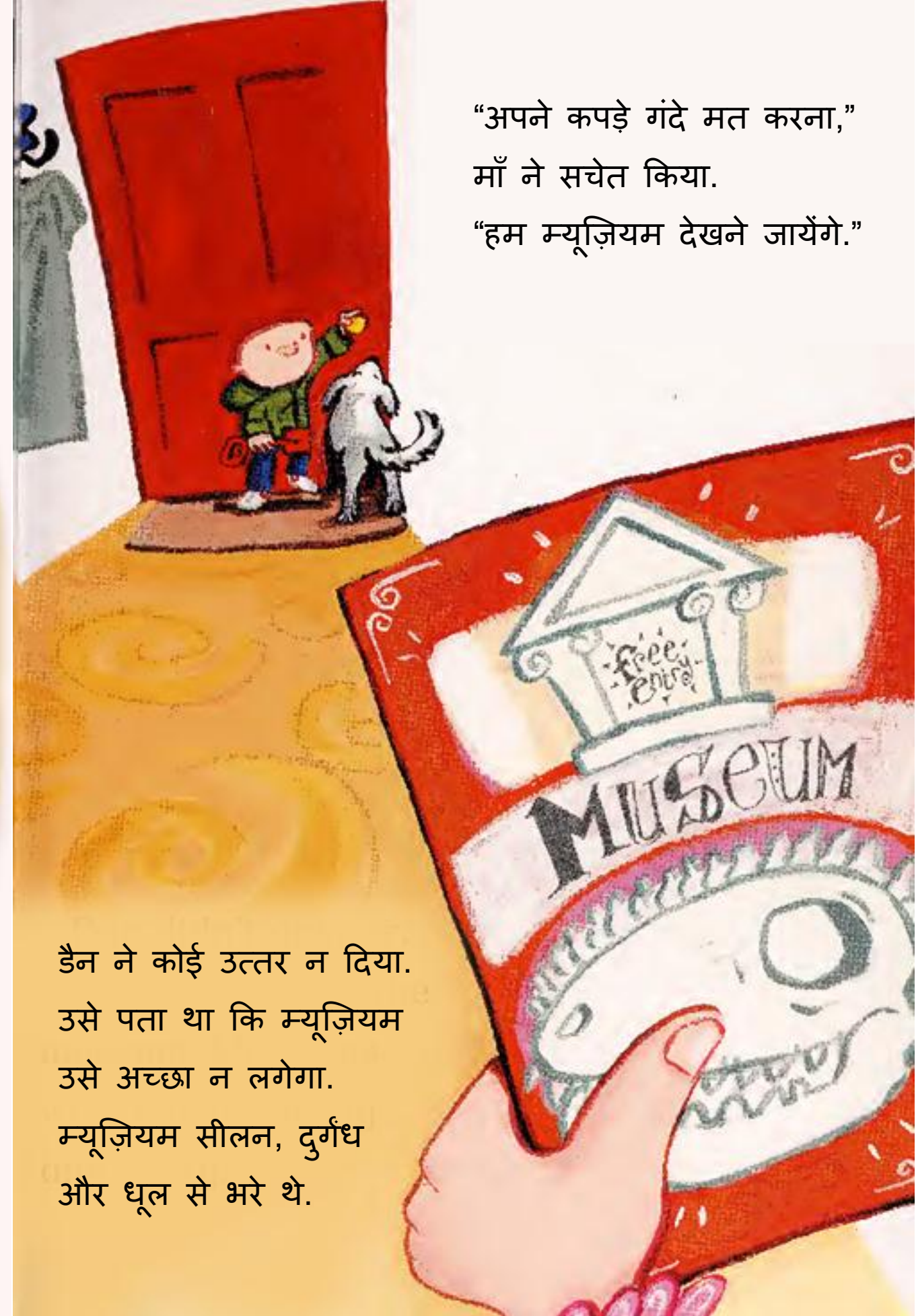
डैन ने कोई उत्तर न दिया.
उसे पता था कि म्यूज़ियम
उसे अच्छा न लगेगा.
म्यूज़ियम सीलन, दुर्गंध
और धूल से भरे थे.

शीघ्र ही डैन एक गहरा गड्ढा खोद रहा था. “मैं बाईस करोड़ पच्चीस लाख वर्ष की गहराई तक खुदाई करूँगा,” उसने बाउंसर से कहा.
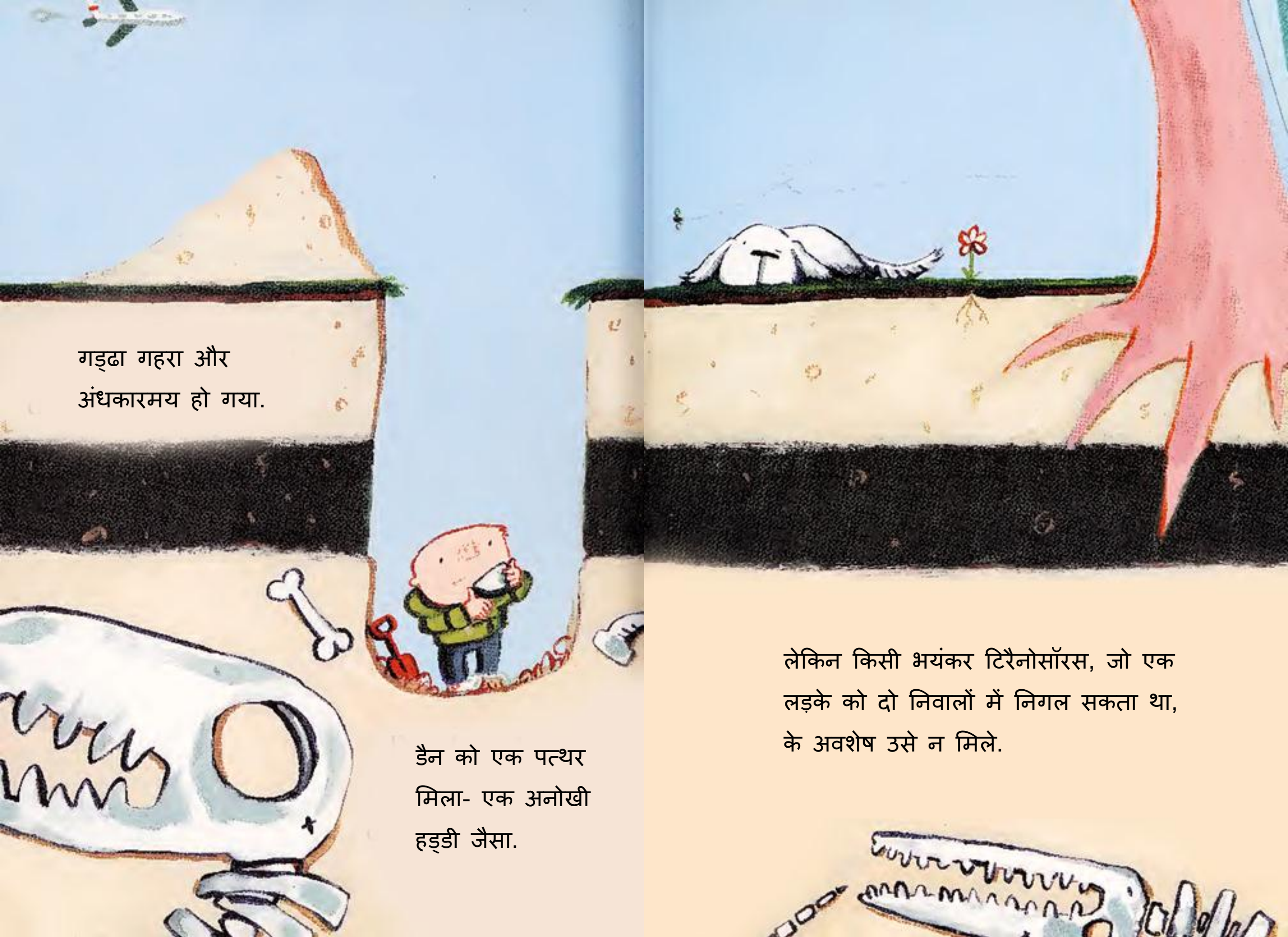
वह बहुत उत्तेजित था. क्या एक डाइनोसॉर को खोजना बहुत आश्चर्यजनक न होगा? वह सोचने लगा कि अगर उसने डाइनोसॉर खोज लिया तो क्या वह उसे पहचान पायेगा.

बाउंसर गड्ढे का
किनारा कुरेदने लगा.
मिट्टी गड्ढे के अंदर
वापस गिरने लगी.

“ऐसा मत करो,” डैन ने चीख कर कहा. “मैंने क्रिटैशस काल तक खुदाई कर ली है. एक भयंकर टिरैनोसॉरस रैक्स के अवशेष मुझे यहाँ मिल सकते हैं, वो किसी लड़के को दो निवालों में निगल सकता था.”
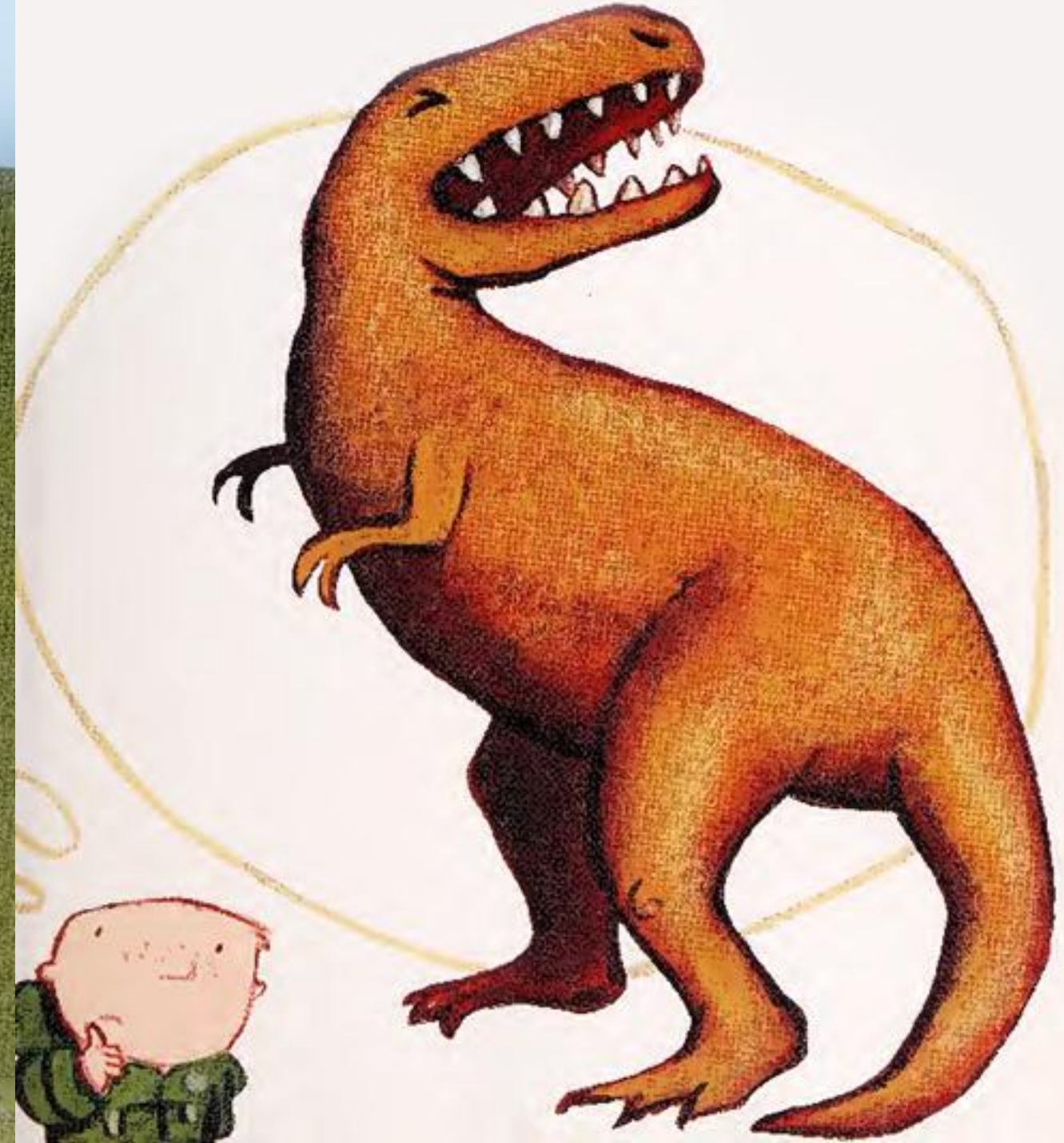
गड्ढा गहरा और
अंधकारमय हो गया.

डैन को एक पत्थर
मिला- एक अनोखी
हड्डी जैसा.

लेकिन किसी भयंकर टिरैनोसॉरस, जो एक
लड़के को दो निवालों में निगल सकता था,
के अवशेष उसे न मिले.

माँ ने डैन को पुकार कर कहा,
“हम दस मिनट में जा रहे हैं!”

एक क्रोधी टिरैनोसॉरस
की तरह डैन गुर्राया.
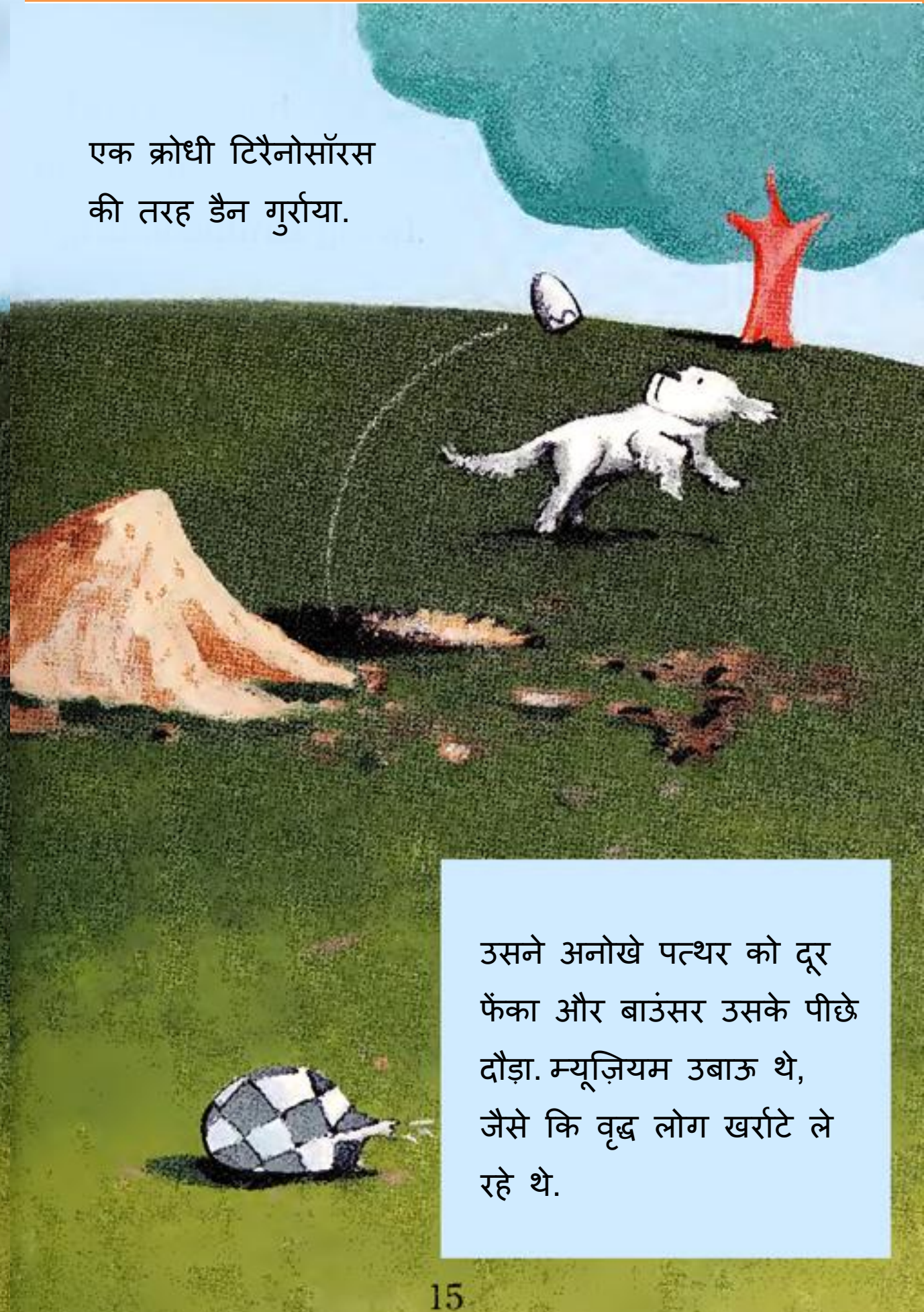
उसने अनोखे पत्थर को दूर
फेंका और बाउंसर उसके पीछे
दौड़ा. म्यूज़ियम उबाऊ थे,
जैसे कि वृद्ध लोग खर्राटे ले
रहे थे.

बाउंसर कूदता हुआ वापस
आया. उसने पत्थर
गड्ढे में गिरा
दिया. उसके पीछे
मिट्टी सरकती हुई
नीचे आ गिरी.

“ऐसा मत करो,” डैन ने चीख कर कहा.
“मैंने जुरैसिक काल तक खुदाई कर ली है. एक
विशाल ब्रैकिओसॉरस के अवशेष मुझे यहाँ मिल
सकते हैं, वो सबसे ऊँचे पेड़ से भी ऊँचा होता था,.”
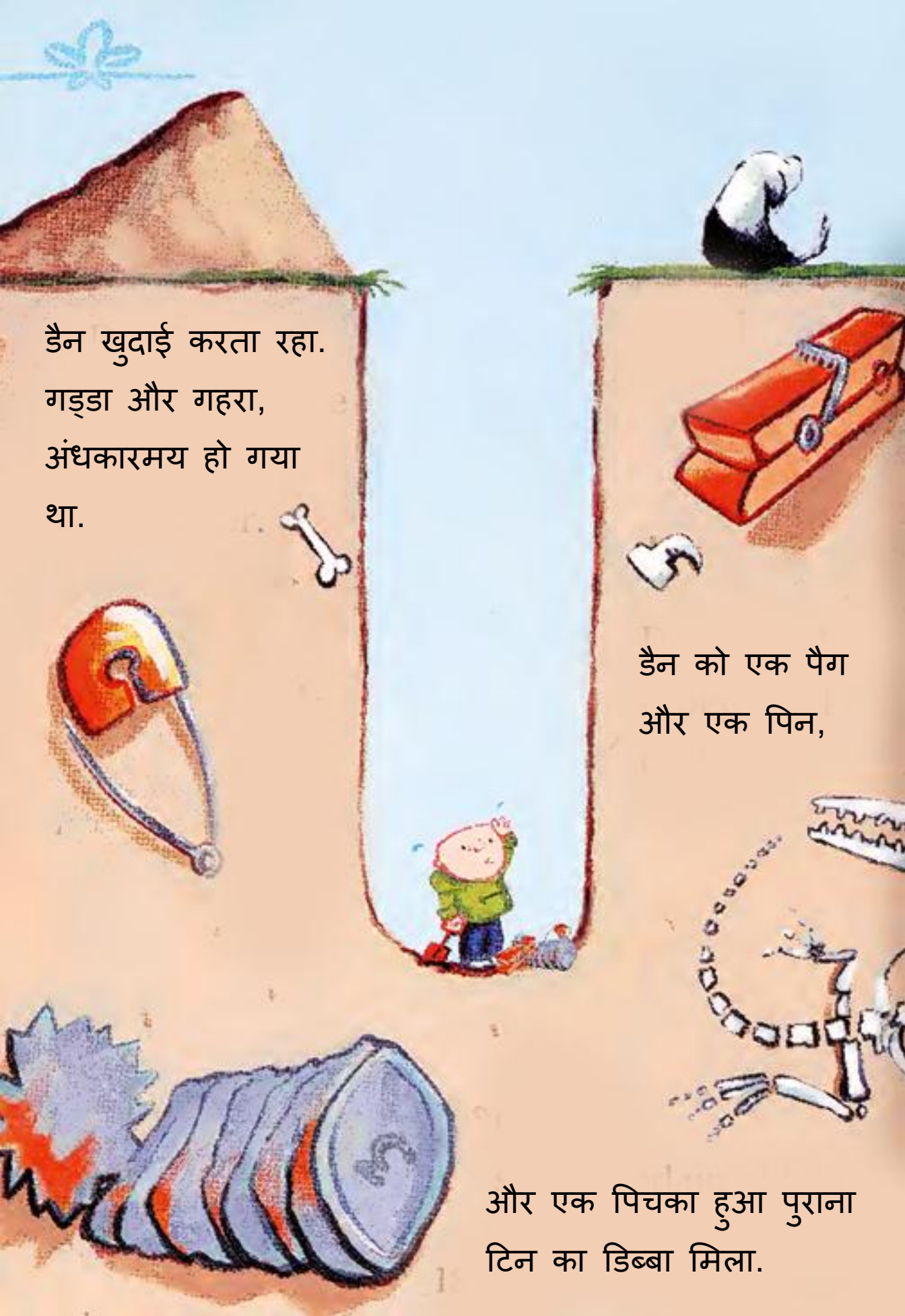
डैन खुदाई करता रहा.
गड्डा और गहरा,
अंधकारमय हो गया
था.

डैन को एक पैग
और एक पिन,

और एक पिचका हुआ पुराना
टिन का डिब्बा मिला.

लेकिन एक विशाल ब्रैकिओसॉरस, जो सबसे ऊँचे पेड़ से भी ऊँचा होता था, के अवशेष उसे न मिले.
“मुझे आशा है कि तुम अपने कपड़े गंदे नहीं कर रहे हो,” माँ ने कहा. “हम पाँच मिनट में चल पड़ेंगे.”

एक गुस्सैल ब्रैकिओसॉरस की तरह डैन ने अपना पाँव पटका. उसने अनोखे पत्थर को दूर फेंका और बाउंसर उसके पीछे दौड़ा.
म्यूज़ियम अप्रिय और डरावने थे.

बाउंसर कूदता हुआ वापस आया.
उसने फिर
से पत्थर
गड्ढे में
गिरा दिया.
मिट्टी की फुहार
उस पर
गिरने लगी.

“ऐसा नहीं करो,” डैन ने चीख कर कहा. “मैंने नीचे ट्राइएसिक काल तक खुदाई कर ली है. एक पागल सिलियोफाइसिस के अवशेष मुझे मिलने ही वाले हैं, उसके दाँत रेज़र की तरह तेज़ थे और कभी-कभी वो अपने बच्चों को ही खा जाता था,.”
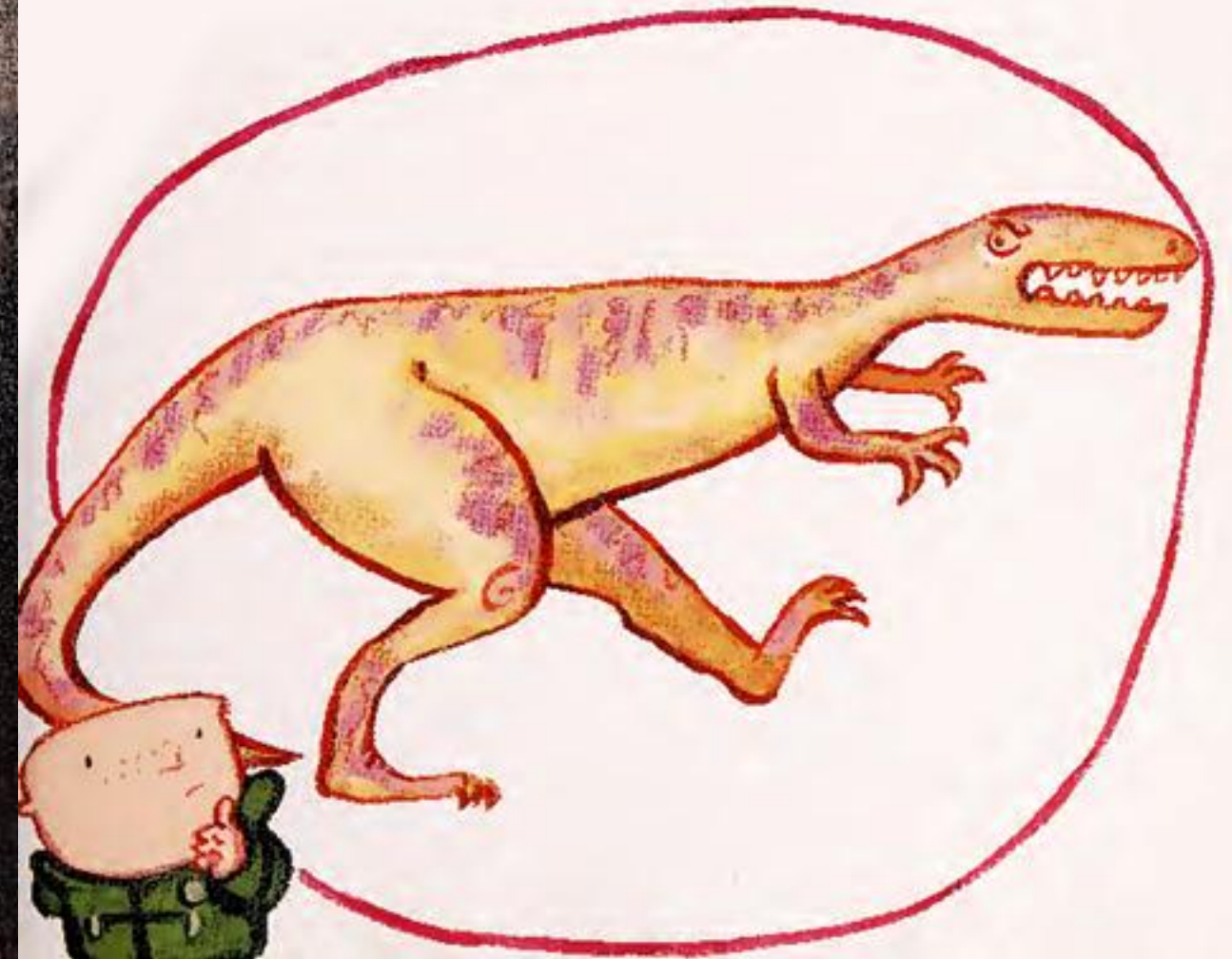
डैन खुदाई करता रहा.
गड्डा और गहरा,
अंधकारमय हो गया था.
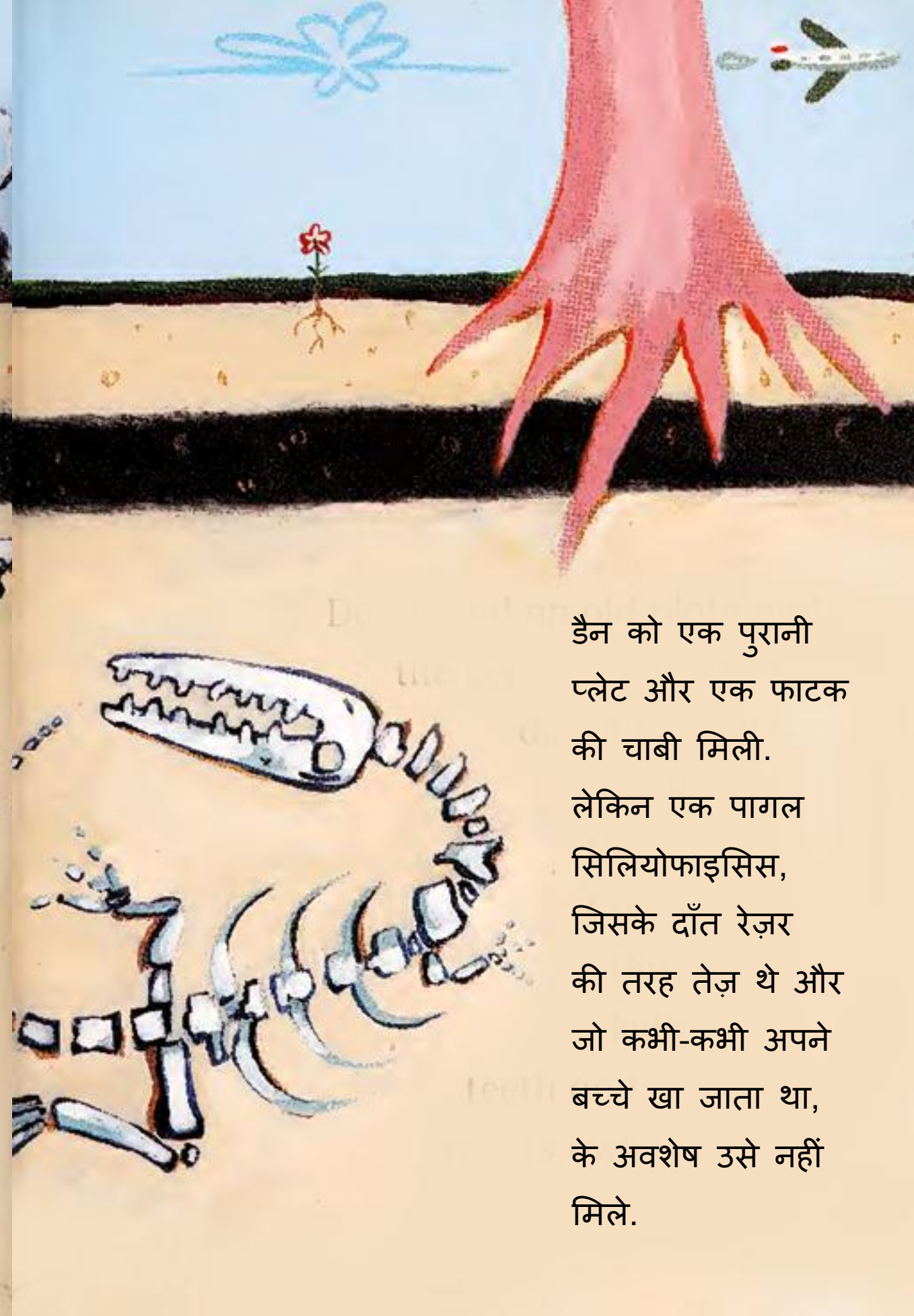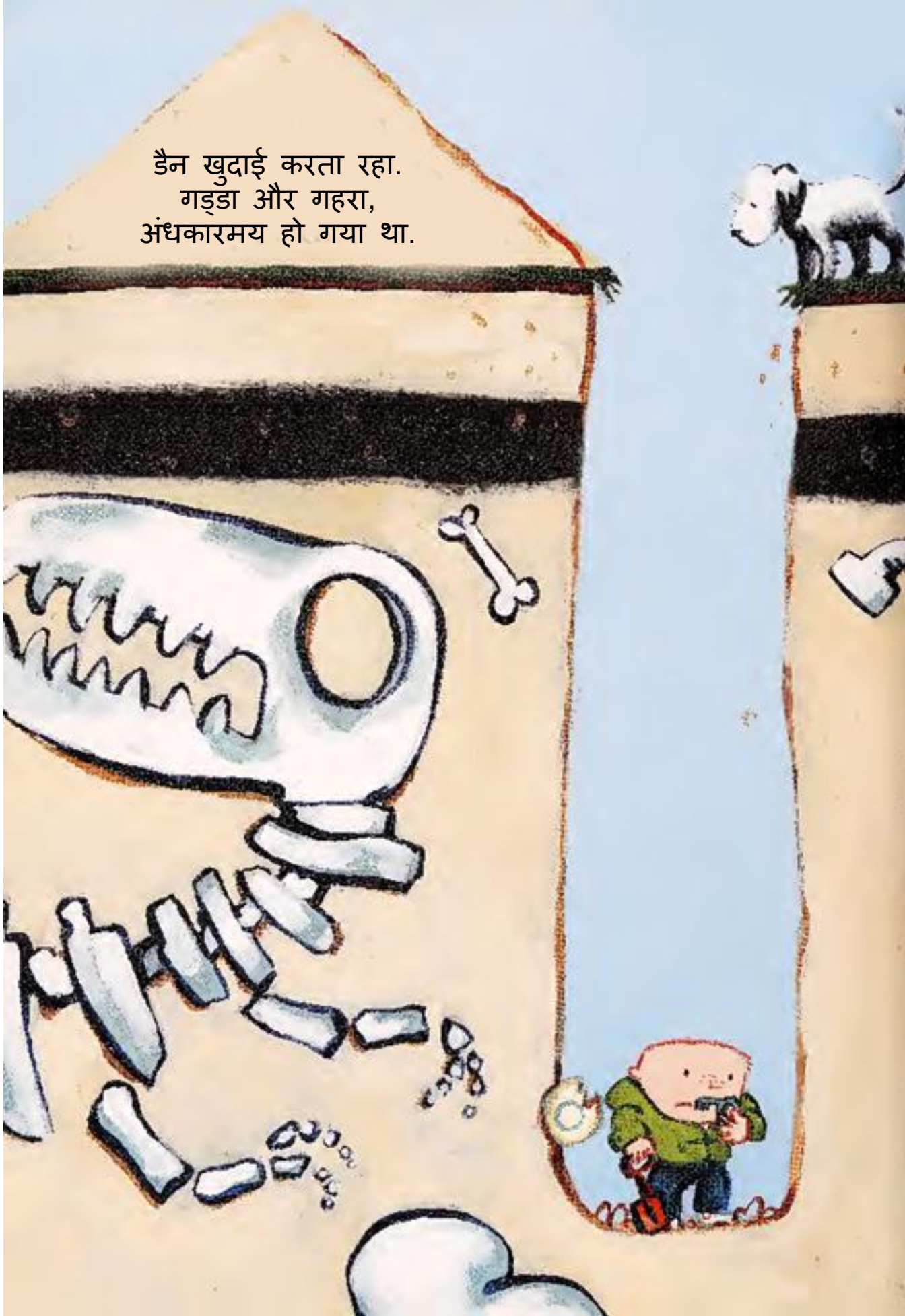
डैन को एक पुरानी प्लेट और एक फाटक की चाबी मिली. लेकिन एक पागल सिलियोफाइसिस, जिसके दाँत रेज़र की तरह तेज़ थे और जो कभी-कभी अपने बच्चे खा जाता था, के अवशेष उसे नहीं मिले.

अचानक माँ आ गई. “तुम कीचड़ में सने हुए हो,” उसने गुस्से से कहा. “अंदर जाओ और अपना मुँह और कपड़े साफ करो. जाने का समय हो गया है.”

डैन ने पागल सिलियोफाइसिस जैसा चेहरा बनाया. उसने अनोखे पत्थर को दूर फेंका और बाउंसर उसके पीछे दौड़ा.

म्यूज़ियम पुराने, पपड़ीदार और ठंडे थे.
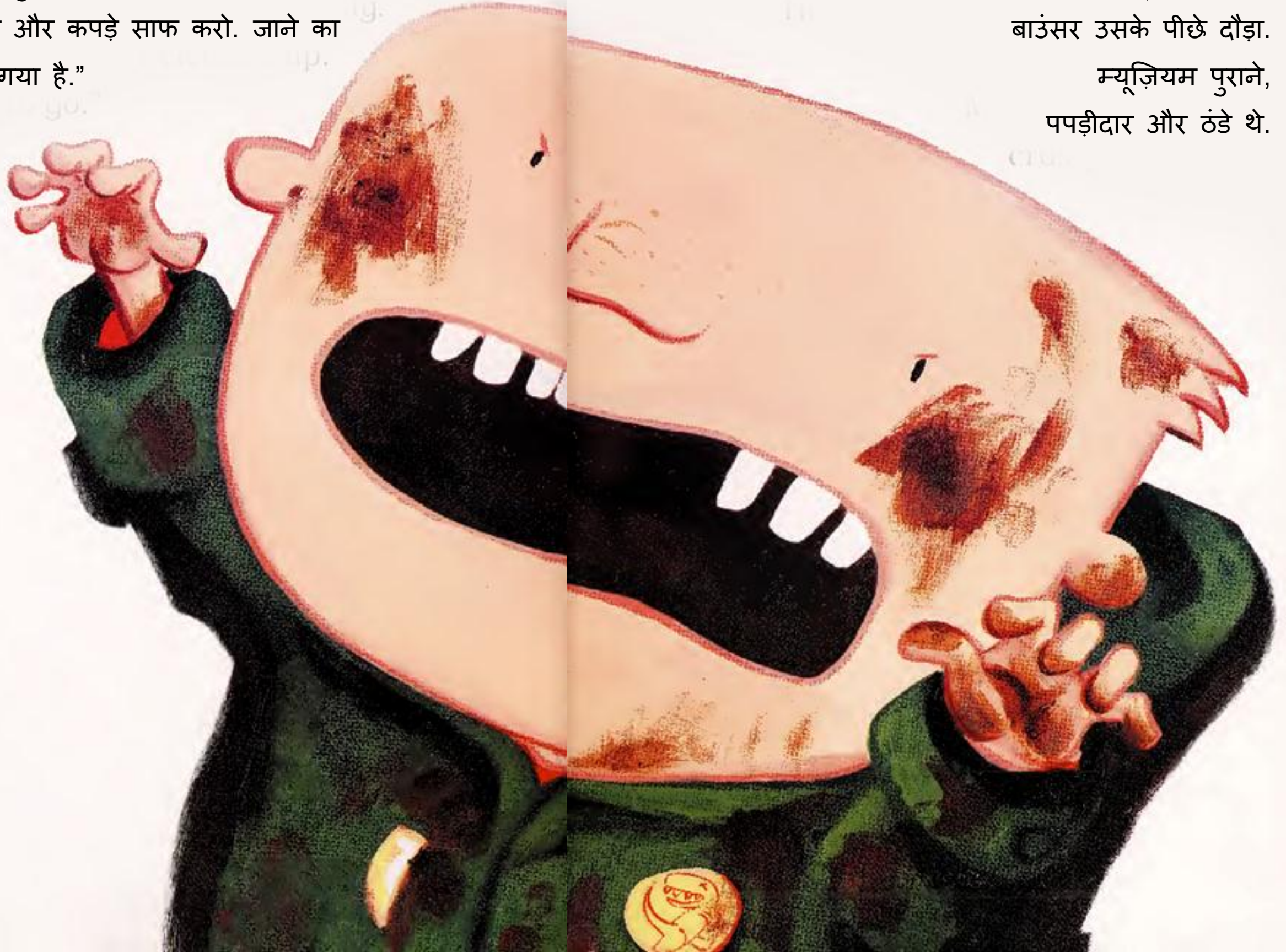
बाउंसर कूदता हुआ
वापस आया.
उसने फिर से पत्थर
गड्ढे में गिरा दिया.
मिट्टी की फुहार
उस पर टपटप
टपटप गिरने लगी.

"चलो, डैन," माँ ने कहा.
डैन गुर्राया और उसने
पाँव पटके और अपने
डाइनोसॉर दाँत
कड़कड़ाये.

फिर वह बाउंसर की तरफ घूमा,
"जाओ, अपनी हड्डी को मेरे गड्ढे
में दबा दो. डाइनोसॉर की खोज
में गड्ढा खोदना वैसे भी
मूर्खतापूर्ण विचार था."
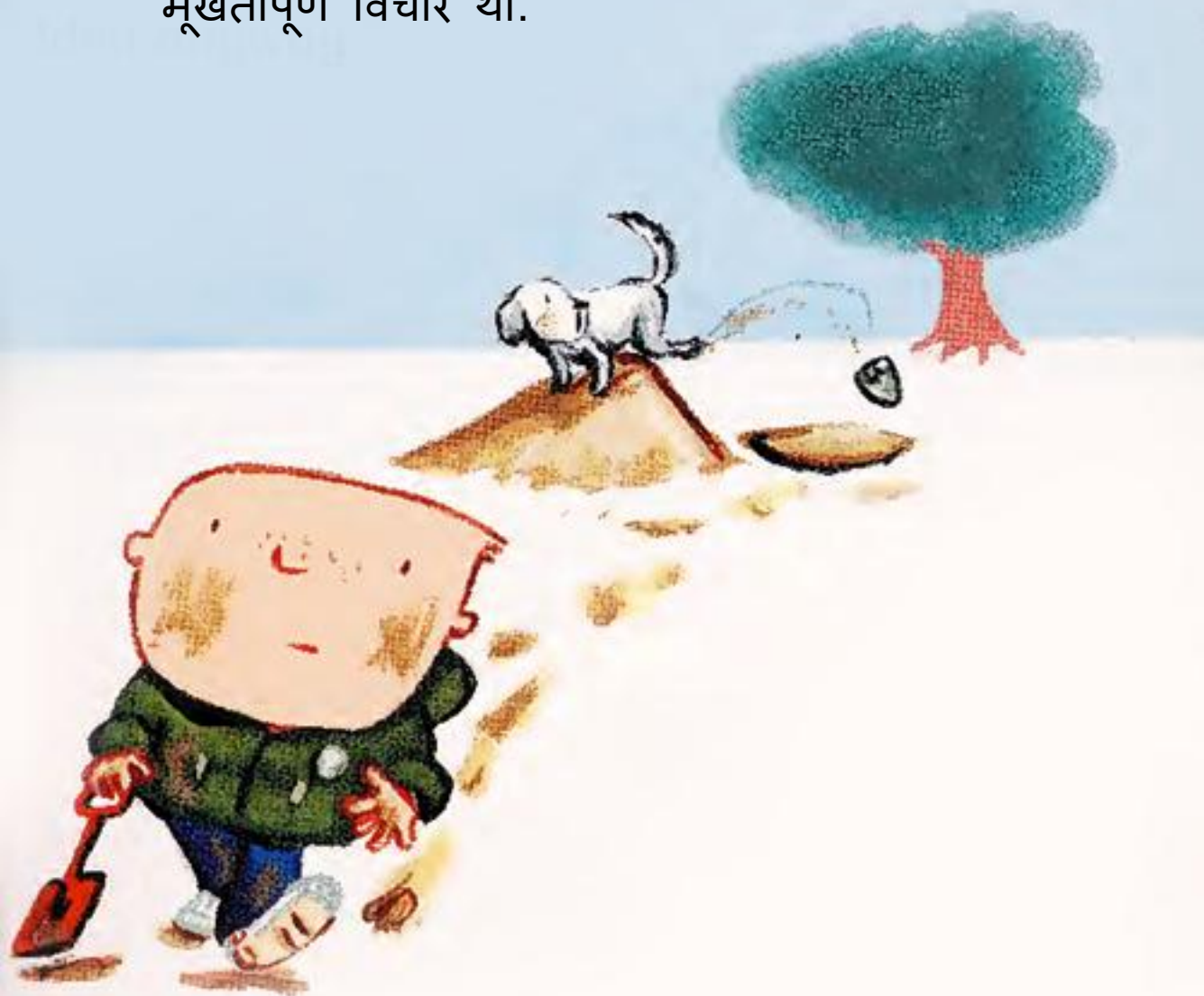
पाँव पटकता हुआ वह घर के अंदर आ गया.

बाथरूम में आकर डैन दर्पण को घूर कर देखने लगा.
उसका सामने का एक दाँत गायब था और उस
छेद से उसने अपनी जीभ बाहर निकाली.

वह सोचने लगा कि किस
प्रकार कुछ डाइनोसॉर के
पुराने दाँत टूटने पर नये
दाँत निकल आते थे.

फिर दर्पण में देखते हुए उसने क्रोधी डाइनोसॉर के चेहरे
जैसा अपना चेहरा बनाने का अभ्यास किया.
माँ ने दरवाज़े से भीतर
झाँक कर देखा,
“जल्दी करो!”
वह गुस्से से बोली.
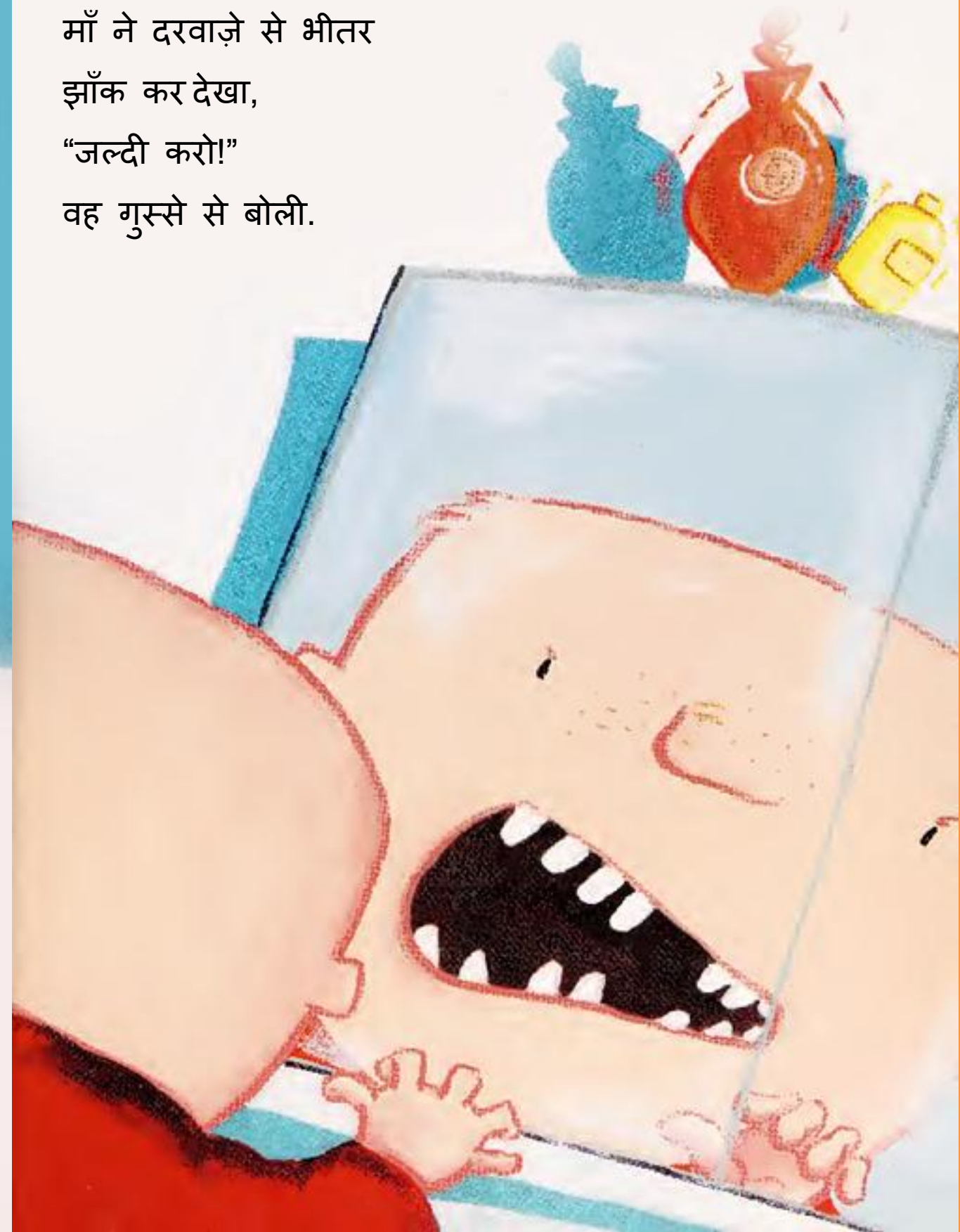
माँ कार चला रही थी. डैन ने पिछली खिड़की से बाहर देखा. डाइनोसॉर से भरी हुई दुनिया की वह कल्पना करने लगा.

उसने फुफकारने का आवाज़ें सुनीं. उसने गर्जने की आवाज़ें सुनीं.

वह कल्पना करने लगा कि पहाड़ों और मैदानों में डाइनोसॉर निरंकुश घूम रहे थे.
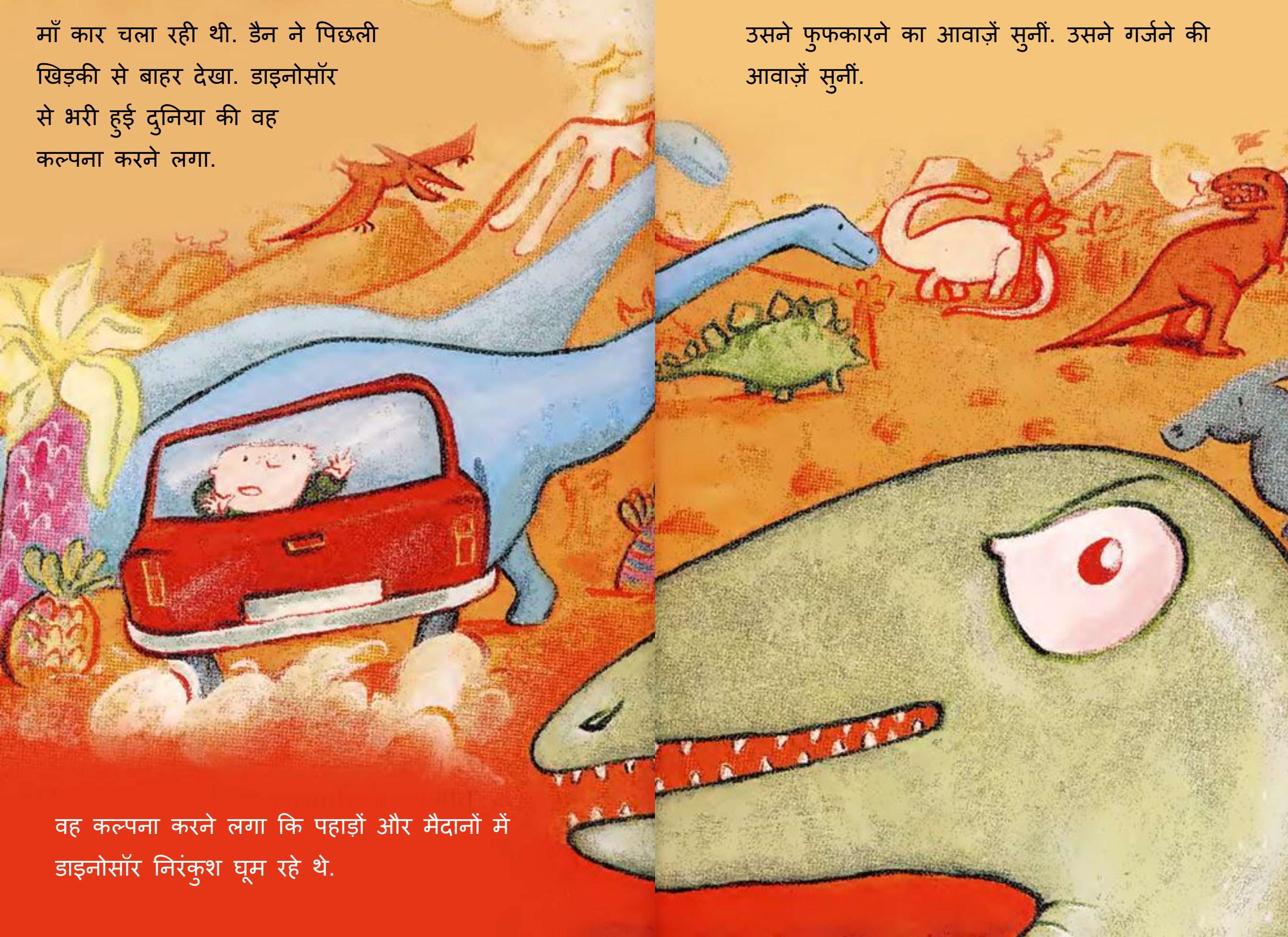
उसने झपट कर पकड़ने वाले
विशाल पंजे देखे.....

“हम पहुँच गए,” पार्किंग में कार लगाते हुए
माँ ने कहा.
माँ के पीछे धीरे-धीरे चलता डैन
म्यूज़ियम के अंदर आया.
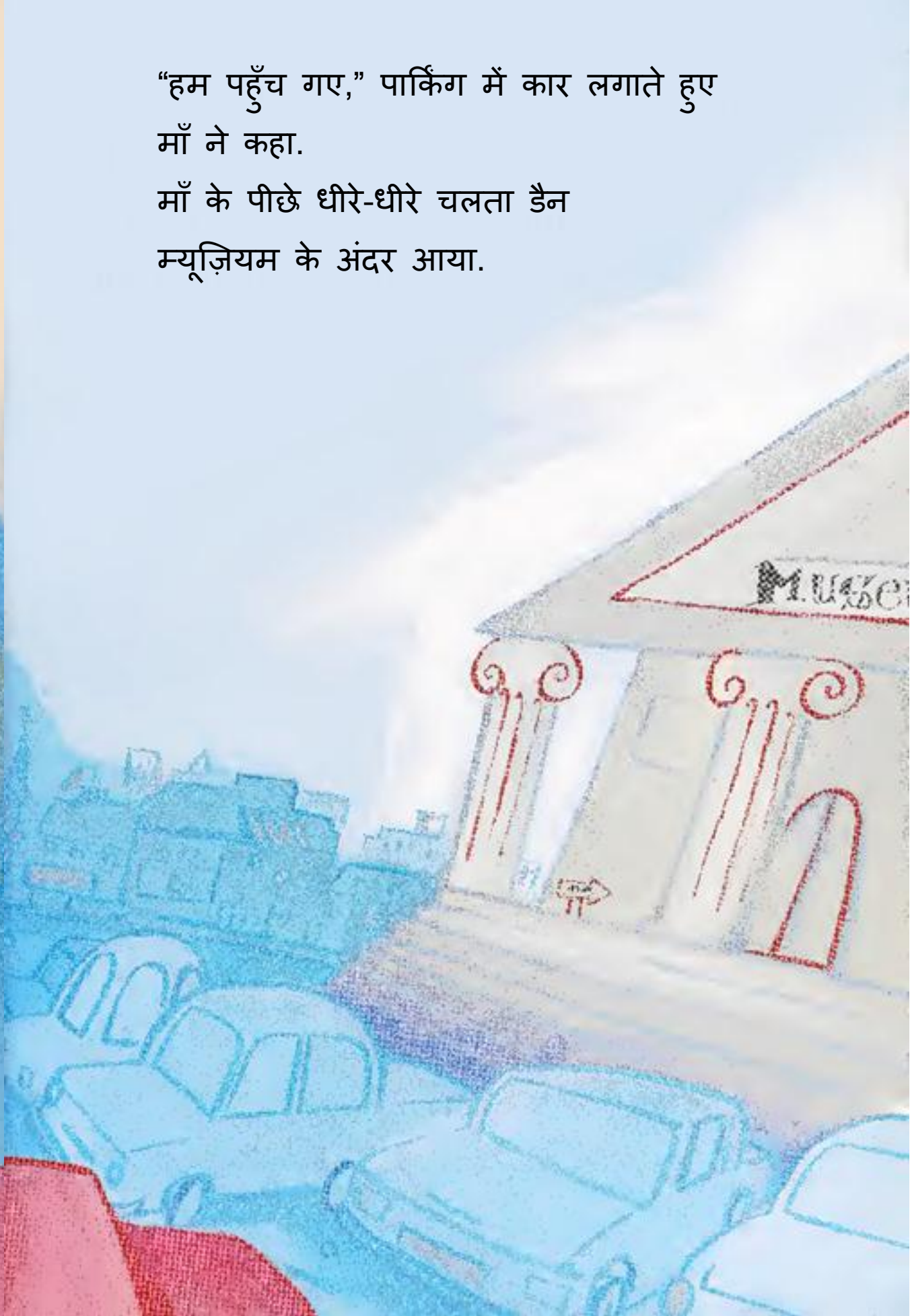
और जब वह भीतर पहुँचा तो –
वह आश्चर्यचकित हो गया.
वहाँ कोई उकताया हुआ न था,
कोई खर्राटे नहीं ले रहा था.
कोई उनींदा न था, कुछ भी
डरावना न था.

वहाँ ठंड न थी और वह पुराना न था.
सब कुछ नया-नया सा था और
करने को बहुत कुछ था.

वहाँ जीव-अवशेष
और पत्थर थे.......

.....और कुछ अनोखी हड्डियाँ.
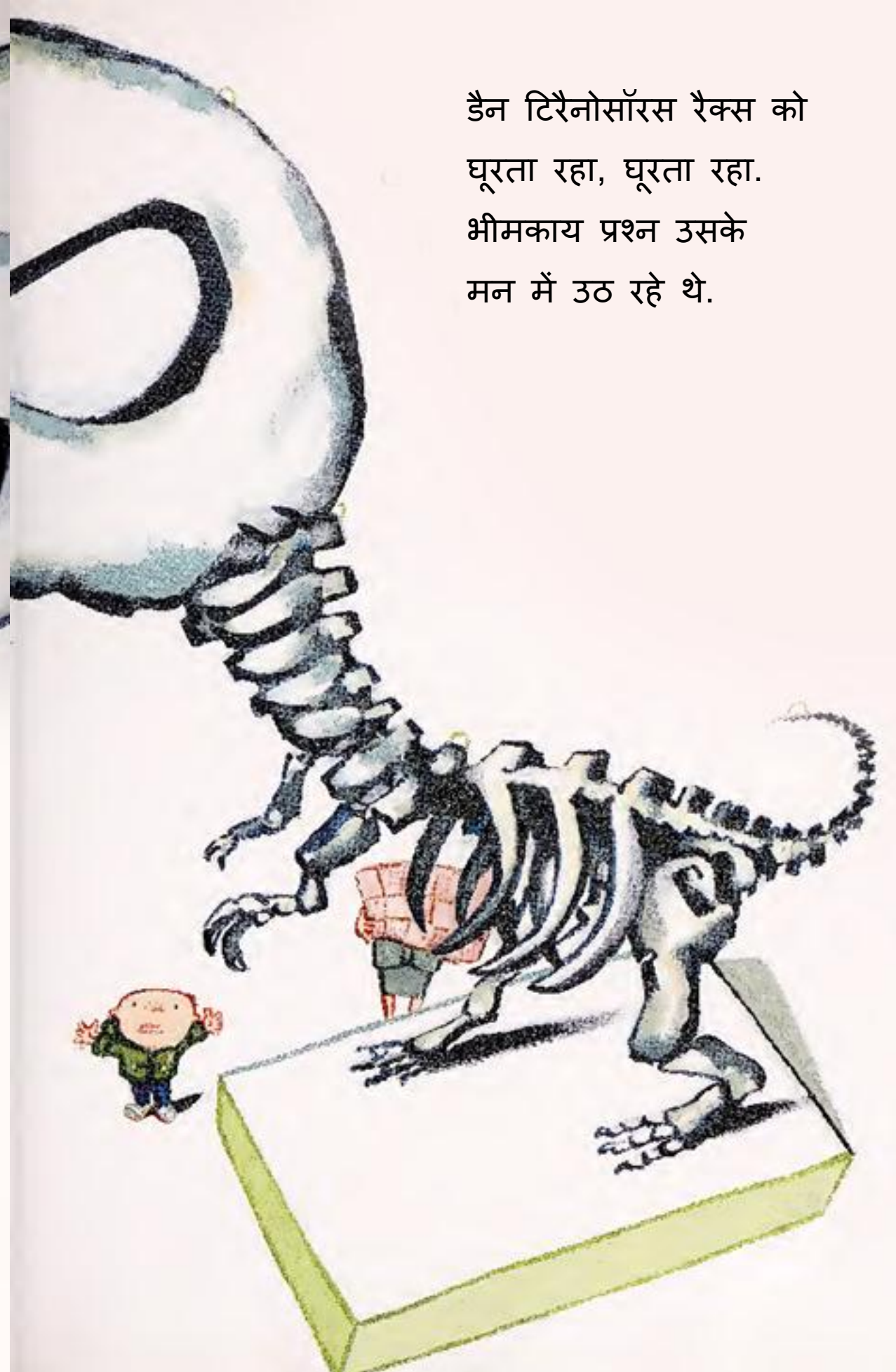
डैन टिरैनोसॉरस रैक्स को
घूरता रहा, घूरता रहा.
भीमकाय प्रश्न उसके
मन में उठ रहे थे.

वह कितनी तेज़ दौड़ सकता था?

वह कितना ऊँचा गरज सकता था?

उन विशाल जबड़ों को सच में खुलते हुए देखना कितना डरावना अनुभव होगा.....

"उन भयंकर दाँतों को तो देखो," माँ ने कहा.
"एक दाँत गायब है!" डैन चिल्लाया.
उसके मुँह में एक सुराख है-
बिलकुल मेरी तरह."

जो दाँत गायब था उसके आकार का अनुमान
डैन लगा सकता था. उस दाँत के नाप का
अनुमान भी वह लगा सकता था.

माँ को देख कर वह एक विशाल, डाइनोसॉर
मुस्कान मुस्कराया, "मुझे बहुत मज़ा आया,
लेकिन अब हमें घर चलना चाहिए. मुझे
एक अनोखे पत्थर को खोद कर निकालना है....."
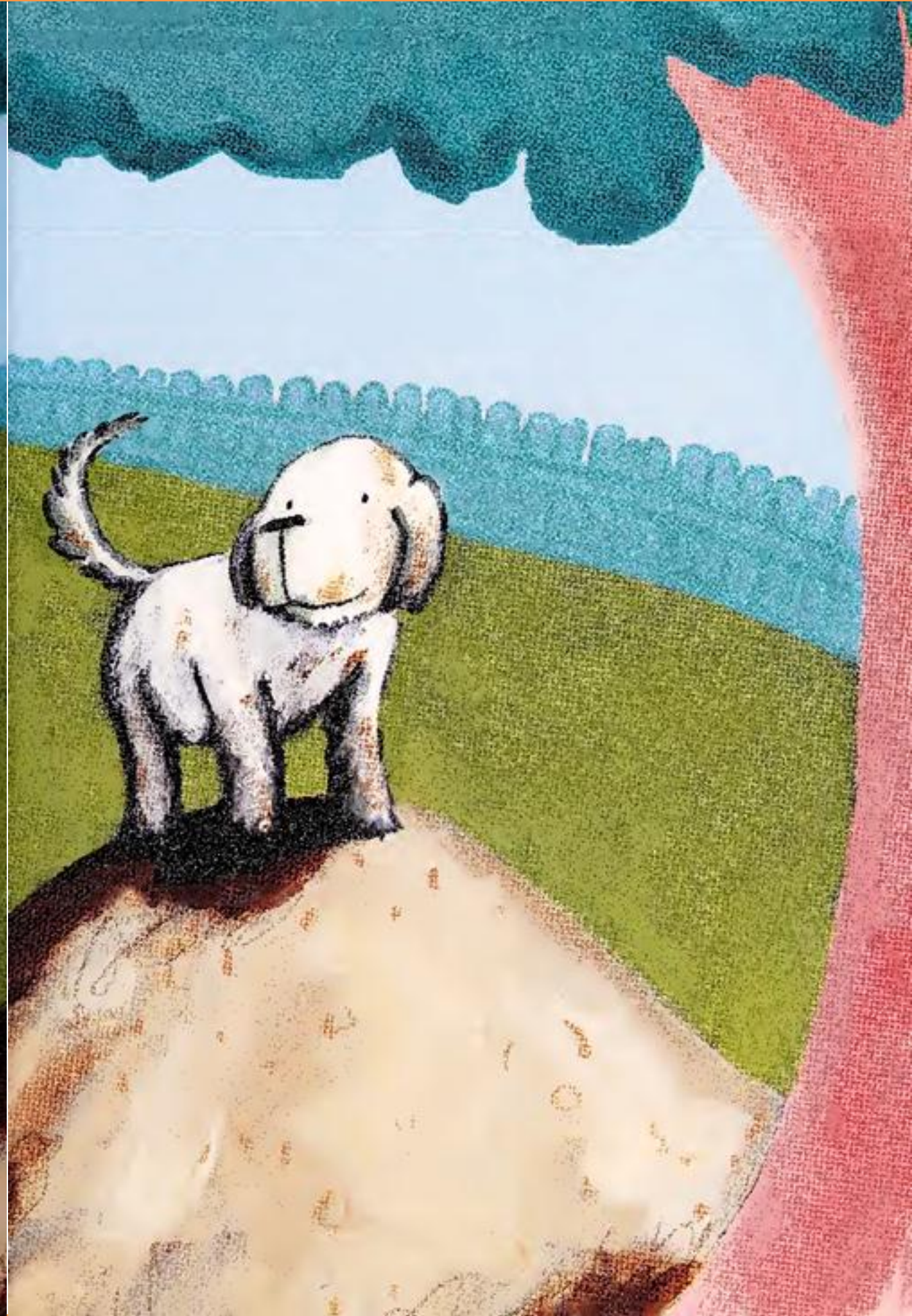
क्या टी-रैक्स का कंकाल बनाने में तुम डैन की सहायता कर सकते हो? और कौन से कंकाल तुम बना सकते हो?

तुम्हें नौ पाइप-क्लीनर्स (नल खोलने की तारें) की ज़रूरत पड़ेगी.

1. **सिर, शरीर और पूँछ**-दो पाइप-क्लीनर्स के सिरों को इकट्ठा घूमा कर वक्राकार बना लो.

2. **सिर का ऊपर का भाग**-पहली पाइप-क्लीनर् के सिरे को मोड़ कर गोल कर लो. फिर उसे टेढ़े-टेढ़े घूमा कर दाँत बना लो.

3. **निचला जबड़ा**-एक पाइप-क्लीनर् के सिरे को घूमा कर दाँत बनाओ और उसे नीचे मोड़ लो. लंबे सिरे को घूमा कर शरीर पर अटका दो.

4. **अगली टाँगें**- एक पाइप-क्लीनर् को बीच से मोड़ लो. इसे शरीर पर, सिर के नीचे, जोड़ लो. दोनों सिरों को बीच से फिर मोड़ लो.

5. **पसलियाँ**-तीन पाइप-क्लीनर्स को घूमा कर गोल कर लो. इनके सिरों को घूमा कर शरीर के साथ जोड़ लो.

6. **पिछली टाँगें**- दो पाइप-क्लीनर्स को शरीर के दोनों तरफ लगा लो. इनके सिरों को मोड़ कर तीन अंगुलियों वाले चपटे पाँव बना लो.

ध्यान रखना कि पाइप-क्लीनर्स को कस कर एक-दूसरे पर लपेटना.

विशाल सिर और बड़े जबड़े जिनसे शिकार को कुचला जा सके.

मैं पौधे खाने वाले डाइनोसॉर खाता हूँ. यम! यम!

छोटे हाथ

मज़बूत टाँगें

टी-रेक्स का दाँत (मनुष्य के हाथ के बराबर) नुकीले दाँत जिनके किनारे आरी जैसे थे, जिनसे माँस काटा जा सकता था. दाँत टूटने पर नये दाँत निकल आते थे.

टिरैनोसॉरस रेक्स सबसे बड़ा माँसाहारी डाइनोसॉर था. यह इतना भारी था कि देर तक तेज़ दौड़ नहीं सकता था. इसलिए वह शिकार के लिए प्रतीक्षा करता था और बड़ी फुर्ती से हमला करता था.